गौतमबुद्धनगर में सबसे ज्यादा निवेश, बुंदेलखंड भी भाया

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों को सबसे ज्यादा गौतमबुद्धनगर भाया। इसके हिस्से में कुल निवेश का 27.16 प्रतिशत यानी कुल 785413 करोड़ आया। पश्चिमी यूपी के हिस्से में कुल निवेश का 45 प्रतिशत हिस्सा गया। इस मामले में मध्यांचल पिछड़ गया जबकि बुंदेलखंड के लिए भी इस बार खूब निवेश प्रस्ताव आए। वर्ष 2018 की समिट में पूरे उप्र में कुल 4.68 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए थे। इस बार 4.28 लाख करोड़ का निवेश केवल बुंदेलखंड के लिए ही हो गया।

पश्चिमी यूपी के लिए 45 प्रतिशत, मध्यांचल पिछड़ा

टौचन इंटरनेशनल लि. हांगकांग ने इस समिट में 1,89,849 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिसमें गौतमबुद्धनगर, मिर्जापुर, आगरा, लखनऊ और वाराणसी के लिए प्रस्ताव दिए गए। भारत की आरजी स्ट्रेटजीज ने 1,73,031 करोड़ का निवेश किया। इस कंपनी ने भी पहले स्थान पर गौतमबुद्धनगर को ही रखा। साथ में बुलंदशहर, गोरखपुर व गाजियाबाद को भी प्रस्तावित किया गया है।

यूएस की इंपीरिया इनोवेशन इन्वेस्टमेंट ने 1,05,000 करोड़ का निवेश गौतमबुद्धनगर तथा लखीमपुर खीरी के लिए किया। इंडो यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज ने गोरखपुर के लिए 99,999 करोड़ का निवेश, ऑस्टिंग कंसल्टेंटिंग ग्रुप ने शाहजहांपुर के लिए 58,100 करोड़, एबीसी क्लीनटेक प्रा.लि. ने मिर्जापुर के लिए 50,000 करोड़, एनटीपीसी ने झांसी, सोनभद्र प्रयागराज, के लिए 42,28(करोड़, जर्मनी की यूनिकॉर्न एनर्ज ने लखनऊ व जौनपुर के लिए 41,500 करोड़, कार्तिकेय एम्यूसमेंट एंड एट्रेक्शन ने वाराणसी के लिए 41,000 करोड़, जॉन कॉकिरिल ने झांसी के लिए 40000 करोड़, पोटी वासुदेव ने झांसी के लिए 40000 करोड़, आरईसी ने वाराणसी, लखनऊ एवं सोनभद्र के लिए 35503 करोड़, राग ल्थकेयर ने वाराणसी के लिए 34500 करोड़ का निवेश किया। रेड ऑरियोन ने अयोध्या एवं गौतमबुद्धनगर के लिए 32800 तथा एनआईडीपी ने गौतमबुद्धनगर में डाटा सेंटर बनाने के लिए 30000 करोड़ का निवेश किया।

इस बार इन्हें भी मिला निवेश

मिर्जापुर, महोबा, ललितपुर, चित्रकूट आदि पिछड़े क्षेत्रों के लिए भी इस बार निवेश हुआ है। चित्रकूट के लिए एसीएमई क्लीनटेक ने 27500 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है। अदाणी लॉजिस्टिक ने मेरठ, कानपुर नगर, गाजियाबाद, हापुड़ के लिए भी 24200 करोड़ का निवेश किया। जालौन के लिए भी बीस हजार करोड़ का निवेश हुआ।

इन सेक्टर में हुआ निवेश

गौतमबुद्धनगर में सबसे ज्यादा मैन्यूफैक्चरिंग विकास, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक ऊर्जा आदि क्षेत्र के लिए निवेश हुआ तो गोरखपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी झांसी के लिए शिक्षा के सेक्टर में ज्यादा निवेश किया गया। वाराणसी में टूरिज्म तथा स्वास्थ्य, चित्रकूट, लखनऊ के लिए नवीकरणीय ऊर्जा व इन्फ्रास्ट्रक्चर फोकस रहा। अयोध्या में हाउसिंग, रीयल एस्टेट, बरेली में लॉजिस्टिक पर